सम्पादकीय.....

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 16वाँ अंक प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है । निदेशक महोदय के प्रेरणात्मक मार्गदर्शन ,सुधी लेखेकों के सहयोग तथा आप सभी महानुभावों के समन्वित प्रयासों का प्रतीक यह अंक आपको सादर समर्पित है । इस पत्रिका के प्रकाशन में संस्थान तथा संस्थानेतर व्यक्तियों ने वैज्ञानिक , तकनीकी एवं अन्य विविध विधाओं पर अपने लेख देकर राजभाषा हिन्दी का मान-सम्मान तथा गौरव बढ़ाया है । हम इन सभी लेखकों का सहृदय आभार प्रकट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं ।

उम्मीद है , **"प्रवाहिनी"** का यह अंक पाठकों को सुरूचिपूर्ण तथा उपयोगी लगेगा । पत्रिका की साज-सज्जा तथा सामग्री इत्यादि में सुधार के लिए सुझावों का स्वागत है ।